कुमार जीवन - 55

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ कुमारों ने पुराने व्यर्थ के खाते को समाप्त कर लिया है? नया खाता समर्थ खाता है। पुराना खाता व्यर्थ है। तो पुराना खाता खत्म हुआ। **वैसे भी देखो व्यवहार में कभी पुराना खाता रखा नहीं जाता है।** पुराने को समाप्त कर आगे खाते को बढ़ाते रहते हैं। तो यहाँ भी पुराने खाते को समाप्त कर सदा नये ते नया हर कदम में समर्थ हो। हर संकल्प समर्थ हो। जैसा बाप वैसे बच्चे। बाप समर्थ है तो बच्चे भी फ़ालो फ़ादर कर समर्थ बन जाते हैं। (18-11-1985)

➢➢ व्यर्थ को समाप्त करने के लिए क्या करें ?

➳ _ ➳ स्व की रेगुलर चेकिंग

➳ _ ➳ निरंतर लक्ष्य की स्मृति

➳ _ ➳ हम स्टेज पर हैं

→ चारों और से विश्व की आत्माएं हमें देख रही हैं

- सदैव यह स्मृति रहे

➳ _ ➳ स्वयं को सदा बिजी रखिये

→ जो बिजी रहते हैं... वो इजी रहते हैं

- ज्ञान मनन / श्रेष्ठ चिंतन
- यज्ञ सेवा
- **इतना Hard Work करो की**
  - **शरीर पूरी तरह से थक जाए**
  - **लेटते ही नींद आ जाए**

➳ _ ➳ श्रेष्ठ संग

➳ _ ➳ स्वमान का अभ्यास

➳ _ ➳ ड्रामा की स्मृति

➳ _ ➳ “समय कौन सा चल रहा है ?” - यह स्मृति में रखना

➳ _ ➳ मन और बुधी का टाइम टेबल बनाना

➳ _ ➳ स्थान बदल दो

➳ _ ➳ भिन्न भिन्न प्रकार की ड्रिल करना

➳ _ ➳ श्रीमत की लगाम को टाइट करना

➳ _ ➳ अधयन्नशील बनना

➳ _ ➳ फीलिंग प्रूफ बनना

➳ _ ➳ अभिमान और अपमान से मुक्त होना

➳ _ ➳ “मैं ही राईट हूँ” - इससे मुक्त होना

➳ _ ➳ तीन पर से मुक्त होना

→ परदर्शन

→ परचिंतन

→ परमत

➳ _ ➳ एक पर धारण करना :- “परोपकार”

➳ _ ➳ निरंतर खुश रहना

➳ _ ➳ अपने भाग्य की स्मृति में रहना

➳ _ ➳ दूसरों के प्रति शुभ भावना / शुभ कामना

➳ _ ➳ अपने बोल पर नियन्त्रण :- **Controlled Speech Is Diamond**